अध्याय 1

भाषा और उसका क्षेत्र

मुख्य पृष्ठ

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उसे दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसलिए उसका अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाना आवश्यक हो जाता है। ऐसे में उसकी सहायक बनती है भाषा। भाषा ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो मनुष्य को दूसरों के निकट लाती है, उन्हें एक-दूसरे से जोड़ती है। भाषा के विषय में सामान्य जानकारी तो हम पिछली कक्षाओं में प्राप्त कर ही चुके हैं, फिर भी संक्षेप में इस पर प्रकाश डालना आवश्यक है ताकि आगे के विषय को भली-भाँति समझा जा सके। इस अध्याय में हम भाषा और उसके क्षेत्र के विषय में विस्तार से जानेंगे।

पूर्वज्ञान

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का साधन है। भाषा शब्द की उत्पत्ति 'भाष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ है कहना व सुनना। भाषा के दो प्रकार हैं – मौखिक और लिखित। चूंकि मनुष्य ने पहले बोलना सीखा इसलिए पहले भाषा के मौखिक रूप का विकास हुआ। यही भाषा का मूल रूप भी है और प्राचीनतम रूप भी । इसके बाद जब मनुष्य ने अपने विचार, अपना ज्ञान भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित व स्थायी रखना चाहा तब भाषा के लिखित रूप का विकास हुआ। भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है। संसार की प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि है। दी गई तालिका देखें –

भाषाएँ	लिपियाँ
हिंदी, संस्कृत, मराठी, नेपाली	देवनागरी
अंग्रेज़ी, फ्रेंच, जर्मन	रोमन
उर्दू, फारसी	फारसी
पंजाबी	गुरुमुखी

फारसी लिपि के अतिरिक्त भारत की सभी भाषाओं की लिपियाँ बायीं ओर से दायीं ओर को लिखी जाती हैं। फारसी लिपि दायीं ओर से बायीं ओर को लिखी जाती है।

अब आप नीचे दिए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए और बताइए इनमें भाषा का कौन-सा रूप प्रयोग में लाया जा रहा है।

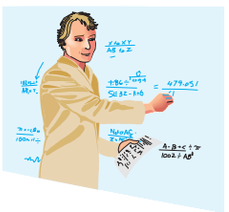

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

विषय की ओर / भाषा के प्रकार

नीचे दिया गया आरेख चित्र भाषिक प्रकारों से संबंधित है। इसे ध्यानपूर्वक देखें, यह भाषा के प्रकारों के अंतर को स्पष्ट रूप से जानने में आपकी सहायता करेगा।

भाषा के प्रकार

मौखिक भाषा	लिखित भाषा
• **प्रयोग स्थान :** मुख, कान	• **प्रयोग स्थान :** हाथ, आँख
• **उद्‌भव :** पहले	• **उद्‌भव :** बाद में
• **रूप :** प्रधान	• **रूप :** गौण
• **आधारभूत इकाई :** ध्वनि	• **आधारभूत इकाई :** वर्ण
• **उदाहरण :** भाषण देना, संगीत सुनना आदि।	• **उदाहरण :** पुस्तकें, समाचार-पत्र आदि।

कितना सीखा

1. सही या गलत में उत्तर दीजिए।

(क) भाषा का मौखिक रूप प्रधान है और लिखित रूप गौण है।

(ख) भाषा का मूल और प्राचीनतम रूप मौखिक है।

(ग) भाषा को बोलने का ढंग लिपि कहलाता है।

(घ) भाषा का लिखित रूप स्थायी माना गया है।

(ङ) फारसी लिपि बायीं से दायीं ओर लिखी जाती है।

(च) भाषा शब्द की उत्पत्ति 'भाष्' धातु से हुई है।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

विषय की ओर भारतीय संविधान में निहित भाषाएँ

भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को सम्मिलित किया गया है। इसमें पहले 18 भाषाओं का उल्लेख था, किंतु अब इसमें 4 अन्य भाषाओं (बोदो, मैथिली, संथाली और डोगरी) को भी शामिल कर लिया गया है। इन भाषाओं में से हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा और राजभाषा दोनों का स्थान प्राप्त है। भारतीय संविधान में निहित भाषाओं से संबंधित निम्न मानचित्र को देखिए –

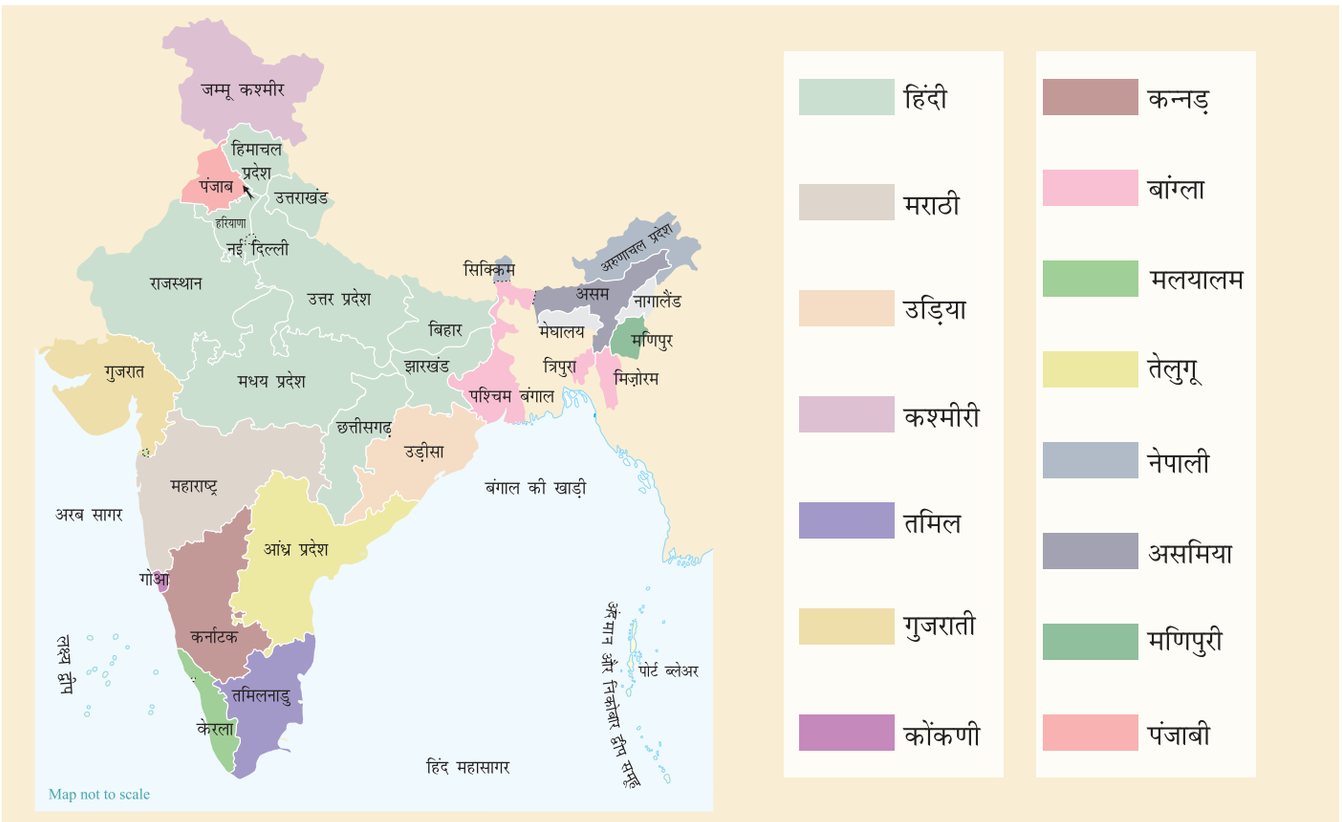

बोदो असम, **मैथिली** बिहार, **संथाली** छोटा नागपुर, **डोगरी** जम्मू–कश्मीर व **उर्दू** लखनऊ, दिल्ली, जम्मू–कश्मीर आदि जगहों पर बोली जाती है। **सिंधी** भाषा गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मधयप्रदेश के कुछ भागों में बोली जाती है। **संस्कृत** का प्रयोग प्राय: समाप्त हो चुका है।

जानने योग्य

आज संस्कृत के लुप्त होने की बात प्राय: की जाती है, लेकिन उड़ीसा में एक गाँव ऐसा है जो सामूहिक रूप से इसे बचाने में लगा हुआ है। राज्य के ससना नामक गाँव में 32 परिवार हैं, जिनमें कुल मिलाकर 200 लोग हैं। उनके गाँव में यह नियम बना दिया गया है कि हर परिवार का कम–से–कम एक बच्चा संस्कृत की शिक्षा जरूर लेगा। यह परंपरा जारी है। इनमें से ज्यादातर लोगों को सरकारी स्कूल में रोजगार मिल जाता है।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

विषय की ओर / भाषा की विशेषताएँ

भाषा सामाजिक संपर्क तथा दैनिक व्यवहार का माध्यम है। भाषा के बिना हम न सिर्फ मूक बन जाएँगे बल्कि बोधरहित भी। हम संकेतों को देख सकेंगे, अस्पष्ट ध्वनियों को सुन सकेंगे पर समझ नहीं सकेंगे। भाषा एक खिड़की है और इस खिड़की से वास्तविकता की रोशनी हमारे अंदर प्रवेश करती है। अपनी संस्कृति और सभ्यता का संरक्षण करने के लिए भी भाषा आवश्यक है। हम प्राचीन ग्रंथों को सुरक्षित रखें, उन्हें समझें, उन पर विचार करें और उनका प्रसार करें। यह सब काम भाषा के द्वारा ही संभव है। आइए, अब भाषा की कुछ मुख्य विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

भाषा का आधार ध्वनि है। यद्यपि सार्थक भाषा वाक्यों से बनती है, वाक्य शब्दों तथा पदबंधों से बनते हैं। शब्दों का निर्माण मूल ध्वनियों से ही होता है।

भाषा की भौगोलिक सीमा होती है। एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की भाषा में भेद होना अनिवार्य है। 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर बानी' वाली कहावत में इसी तथ्य को स्पष्ट किया गया है।

भाषा परिवर्तनशील है। आज के तकनीकी रूप से विकासशील जीवन में भाषा निरंतर परिवर्तित हो रही है। उदाहरण के लिए हिंदी भाषा में उर्दू, अंग्रेजी, फ्रेंच आदि अनेक भाषाओं की शब्दावली का मिश्रण हो रहा है।

भाषा समाजिक वस्तु है। उसका आरंभिक पाठ पढ़ाने वाली माँ होती है पर जिस भाषा को वह सिखाती है वह समाज की ही संपत्ति होती है जिसकी शिक्षा स्वयं उसने अपनी माँ से ली होती है।

भाषा व्यवहार द्वारा सीखी जाती है। जब एक छोटा बच्चा अपने घर के बड़ों को भाषिक ध्वनियों का प्रयोग करते सुनता है तो वह भी उनका अनुकरण करने का प्रयास करता है और उच्चारण में समर्थ बनता है।

भाषा अर्जित वस्तु है। इसे मनुष्य उस समाज और वातावरण से अर्जित करता है जिसमें वह रहता है क्योंकि जन्म के समय वह शारीरिक अंग (हाथ-पैर आदि) लेकर तो उत्पन्न होता है पर भाषा लेकर नहीं।

बात अचंभे की

एक बार एक मनुष्य को घने जंगलों से पकड़कर लाया गया। उसके हाथ-पैरों के नाखून व उठने-बैठने का व्यवहार भेड़ियों जैसा था। वह भेड़ियों जैसी आवाज़ निकाल रहा था और मनुष्य की भाषा से अपरिचित था। यह इस बात का प्रमाण है कि मनुष्य में भाषा सीखने की योग्यता है पर यदि उसे उचित वातावरण न मिले या उसे निर्जन स्थान पर अकेला छोड़ दिया जाए तो वह वर्णों और लिपियों से बनी सार्थक मानवीय भाषा को सीखने से वंचित रह जाएगा।

कितना सीखा

1. सही व गलत में उत्तर दीजिए।

(क) भाषा अर्जित वस्तु न होकर जन्मजात वस्तु है।

(ख) भाषा अपरिवर्तनशील है।

(ग) भाषा का संबंध मनुष्य समाज से है।

(घ) मनुष्य के मुख से उच्चरित होने वाली सार्थक ध्वनियाँ भाषा हैं।

(ङ) भाषा व्यवहार के लिए उचित वातावरण की आवश्यकता नहीं है।

(च) भाषा की भौगोलिक सीमा होती है।

(छ) भारतीय संविधान में पहले 22 भाषाओं का उल्लेख था।

आपने भाषा संबंधी मुख्य बातें जानीं। क्या आप जानते हैं भाषा पर आपकी मजबूत पकड़ आपके लिए विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के द्वार खोल सकती है? आइए देखें, कैसे।

साहित्य लेखक

यदि भाषा की लिखित अभिव्यक्ति में आप निपुण हैं, आपको अपने प्रतिदिन के अनुभवों को डायरी में लिखना अच्छा लगता है, कल्पना की उड़ानें भरने में आनंद आता है, तो आप एक अच्छे कहानीकार, उपन्यासकार, कवि और न जाने क्या-क्या बन सकते हैं। कुल मिलाकर आप एक अच्छे साहित्य लेखक बन सकते हैं। लेखक विद्वान होता है और विद्वान 'सर्वत्रपूज्यते' होते हैं।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

करने योग्य

मान लीजिए कल दिन में आप घर में अकेले थे और बिजली चले जाने के कारण आप न तो टी॰वी॰ देख पाए और न फोन पर किसी से बात कर पाए। ऐसे में आपने कहानियों की रोचक पुस्तक पढ़कर अपना समय व्यतीत किया। आपको ज्ञात हुआ कि पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र क्यों कहलाती हैं। अब अपने इसी अनुभव को ध्यान में रखकर डायरी का एक पृष्ठ लिखिए व भाषा के लिखित रूप की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

विषय की ओर / हिंदी भाषा का महत्व

हिंदी भाषा भारतीय आर्य भाषा-परिवार की भाषा है। संस्कृत भाषा को हिंदी की जननी कहा जाता है। हिंदी शब्द का संबंध संस्कृत शब्द सिंधु से ही माना जाता है। 'सिंधु' सिंध नदी को कहते थे और उसके आस-पास की भूमि को सिंधु। यह सिंधु शब्द फारसी भाषा में हिंदू, हिंदी और फिर हिंद हो गया। बाद में इस शब्द के अर्थ में विस्तार होता गया तथा हिंद शब्द पूरे भारत का वाचक हो गया। आज हिंदी संस्कृत भाषा से लेकर पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि सोपानों से गुजरती हुई समूचे भारत की संपर्क भाषा बन गई है। संविधान के अनुच्छेद 343(1) में हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। आइए, इसके महत्व के बारे में जानें।

हिंदी भाषा का महत्व

भारत के सर्वाधिक क्षेत्रों में बोली जाने के कारण हिंदी को राष्ट्रभाषा का स्थान प्राप्त है और इसी कारण 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में भी स्वीकार किया गया है।

स्वतंत्रता संग्राम में सभी देशवासियों को एकजुट करने में हिंदी भाषा का मुख्य योगदान रहा है। देश के लगभग सभी राष्ट्रीय व सांस्कृतिक आंदोलन इसी भाषा को आधार बनाकर चले हैं।

हिंदी का शब्द-भंडार बहुत समृद्ध है। यह अत्यंत वैज्ञानिक भाषा है। इसमें जैसा बोला जाता है वैसा ही लिखा जाता है। हर विधा का साहित्य हिंदी भाषा में लिखा गया है।

देश की सांस्कृतिक उपलब्धियों में हिंदी का विशेष महत्व है। विदेशी धरती पर सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद ने 'शिकागो' में हिंदी भाषा में अपना भाषण दिया था और भारतीय संस्कृति व सभ्यता की महत्ता पर प्रकाश डाला था।

वर्तमान समय में भी हिंदी भाषा के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज वेब, विज्ञापन, सिनेमा, संगीत आदि में हिंदी भाषा की माँग जिस तेज़ी से बढ़ रही है, वह प्रशंसनीय है। हिंदी सिनेमा की बढ़ती लोकप्रियता हिंदी भाषा के महत्व को ही उजागर करती है। हिंदी में प्रसारित टी॰वी॰ कार्यक्रमों ने भी हिंदी भाषा को लोकप्रिय बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

सूक्ति हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने विदेशी मानकर किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।
– डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद (भारत के प्रथम राष्ट्रपति)

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

विषय की ओर / राष्ट्रभाषा व राजभाषा में अंतर

राष्ट्रभाषा	राजभाषा
1. देश के अधिकांश लोगों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा को राष्ट्रभाषा कहते हैं।	1. सरकारी कार्यालयों में प्रयोग की जाने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है।
2. यह भाषा का अनौपचारिक रूप है अर्थात यह व्यावहारिक भाषा है।	2. यह भाषा का औपचारिक रूप है। यह व्यावहारिक भाषा से भिन्न होती है।
3. इसकी एक निश्चित शैली नहीं होती।	3. इसकी एक निश्चित शैली होती है।

विषय की ओर / राजभाषा हिंदी का क्षेत्र

हिंदी का क्षेत्र निरंतर विस्तार पा रहा है। भारत के अलावा फीजी, मारीशस आदि देशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ रहा है। यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, बिहार, हरियाणा आदि प्रदेशों की राजभाषा है। जिन प्रदेशों में यह मातृभाषा नहीं है वहाँ इसका प्रयोग संपर्क भाषा के रूप में किया जाता है अत: हिंदी मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा आदि दायित्वों को निभाते हुए निरंतर फल-फूल रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी भाषा लोकप्रिय हो रही है।

पोलैंड के चार नगरों (वारसा, क्राकोव, व्रोक्लवा तथा पोज्नान) में हिंदी का अध्यापन होता है। मास्को में 4 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। इसके अलावा सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाई जाती है। वहाँ एक ऐसा स्कूल भी है जहाँ पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाई जाती है और रूसी लोग इसे हिंदी स्कूल के नाम से जानते हैं।

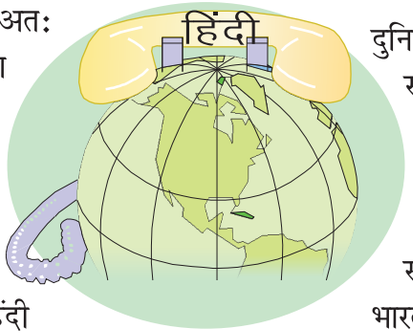

दुनिया के चार विकासशील देशों ने अपना एक समूह बना लिया है, जिसे ब्रिक कहते हैं। ब्रिक में ब्राजील, रूस, चीन और भारत हैं। विश्व के आर्थिक जगत में इन देशों का प्रभुत्व बढ़ रहा है, जिससे हिंदी में काम करने की संभावनाएँ इन देशों में खुल रही हैं और भारतीय व्यवसायी इन देशों में फैलते जा रहे हैं।

आपके लिए यह जानना रोचक होगा कि हिंदी भाषा का पहला व्याकरण डच विद्वान केटलाग ने लिखा। हिंदी साहित्य का पहला इतिहास फ्रांसीसी विद्वान गार्सा द तासी के द्वारा लिखा गया। हिंदी और भारतीय भाषाओं का पहला व्यापक सर्वेक्षण अंग्रेजी विद्वान सर जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने किया। विदेशी भाषाओं के हिंदी द्विभाषी कोश भी सर्वप्रथम विदेशी विद्वानों द्वारा ही बनाए गए।

आज भी विदेश में अनेक विद्वान हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन-अनुसंधान में तन-मन से लगे हुए हैं और हिंदी की सेवा कर रहे हैं। विदेश में बसे प्रवासी भारतीयों के प्रयासों से भी हिंदी की स्थिति सुदृढ़ हुई है और उसे नए क्षितिज मिले हैं।

सूक्ति

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटत न मन को सूल।।
– भारतेंदु हरिश्चंद्र (हिंदी साहित्य के पितामह)

कितना सीखा

1. दी गई तालिका में विभिन्न देशों के नाम व उनकी राष्ट्रभाषाएँ दी गई हैं पर उन भाषाओं के क्रम में कुछ उलट-फेर हो गया है। उदाहरण अनुसार सही देश के साथ उनका उचित मिलान कीजिए।

क्र.सं.	देशों के नाम	राष्ट्रभाषाएँ
(क)	संयुक्त राज्य अमेरिका	हिंदी (ग)
(ख)	चीन	अंग्रेजी
(ग)	भारत	मेंडेरिन
(घ)	पाकिस्तान	इटालियानो
(ङ)	बांग्ला देश	उर्दू
(च)	फ्राँस	फ्रेंच
(छ)	इटली	बांग्ला

2. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरिए –

(क) संविधान के अनुच्छेद _____ में हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है।

(ख) _____ को हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है।

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

(ग) हिंदी में जैसा _____ जाता है वैसा _____ जाता है।

(घ) सर्वप्रथम स्वामी _____ ने _____ में हिंदी भाषा में अपना भाषण दिया था।

(ङ) _____ भाषा को हिंदी की जननी भी कहते हैं।

आपने राष्ट्रभाषा व राजभाषा के महत्व व विस्तृत क्षेत्र आदि के विषय में जानकारी प्राप्त की। क्या आप जानना चाहेंगे कि एक कुशल राजभाषा अधिकारी का कार्य क्या होता है?

राजभाषा अधिकारी

राजभाषा अधिकारी भारतीय केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी अनुवाद का कार्य करता है। इसके अतिरिक्त राजभाषा अधिकारी हिंदी के अन्य कामकाज जैसे हिंदी दिवस, हिंदी की त्रैमासिक बैठकों का आयोजन, राजभाषा निरीक्षण आदि कार्य भी करता है। हिंदी भाषा पर उसकी मज़बूत पकड़ होती है। आप भी हिंदी भाषा पर अपनी मज़बूत पकड़ बनाकर भविष्य में एक अच्छे राजभाषा अधिकारी बन सकते हैं।

करने योग्य

शिक्षक अनुक्रमांक एक से सात तक के विद्यार्थियों को पिछले एक सप्ताह के हिंदी भाषा के सात अलग-अलग समाचार-पत्र लाने के लिए कहें। इसी प्रकार का क्रम आगे बनाए रखें। तत्पश्चात् विद्यार्थियों को निर्देश दें कि क्रमानुसार एक-एक सदस्य कक्षा मंच पर आए और समाचार-पत्र की महत्वपूर्ण घटना को इस शैली में पढ़कर सुनाए मानो वह हिंदी भाषा का समाचार प्रवक्ता है। विद्यार्थी अपने मनपसंद समाचार प्रवक्ता का अभिनय भी कर सकते हैं। उनकी भाषा में धाराप्रवाहिता, आत्मविश्वास, त्रुटिहीनता होनी चाहिए। अंत में प्रत्येक सदस्य दिए गए स्थान पर समाचार-पत्र का नाम, दिनांक व पढ़ी गई मुख्य घटना का शीर्ष वाक्य लिखे।

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	मुख्य घटना का शीर्ष वाक्य

स्मृति-पथ

दिया गया आरेख चित्र पूरा करें –

भाषा के प्रकार

मौखिक भाषा	लिखित भाषा
• प्रयोग स्थान :	• प्रयोग स्थान :
• उद्‌भव :	• उद्‌भव :
• रूप :	• रूप :
• आधारभूत इकाई :	• आधारभूत इकाई :
• उदाहरण :	• उदाहरण :

रिक्त स्थान भरें –

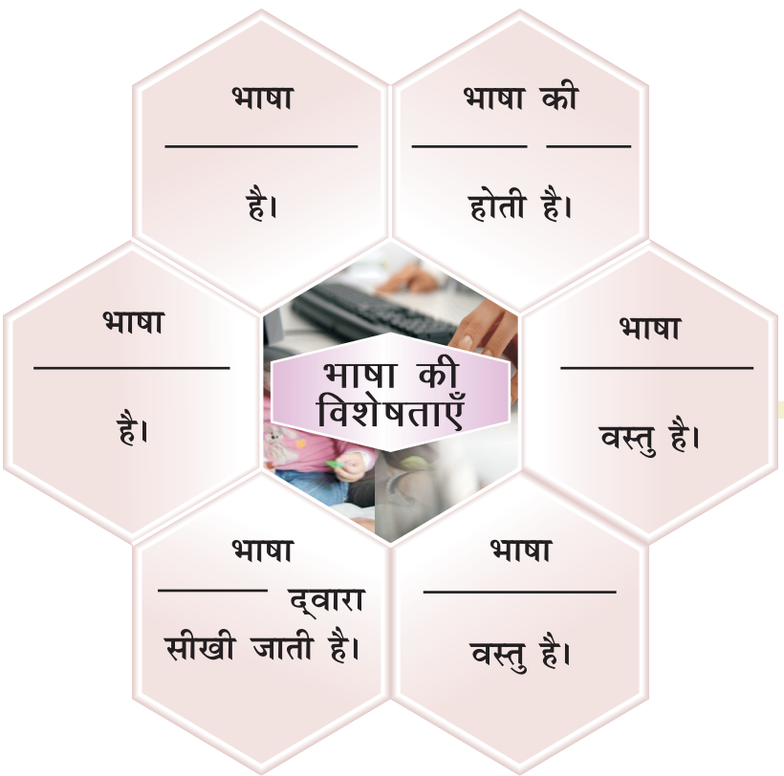

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

रिक्त स्थान भरें –

हिंदी भाषा का महत्व

हिंदी को _____ _____ को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है।

_____ में सभी देशवासियों को _____ करने में हिंदी का विशेष योगदान रहा है।

हिंदी का _____ _____ बहुत समृद्ध है। इसमें जैसा _____ जाता है वैसा _____ जाता है।

देश की _____ _____ उपलब्धियों में हिंदी का विशेष महत्व है।

राष्ट्रभाषा व राजभाषा में कोई एक अंतर लिखें –

राष्ट्रभाषा	राजभाषा

अभ्यास

1. भाषा से क्या अभिप्राय है?
2. लिपि किसे कहते हैं?
3. भाषा की अभिव्यक्ति किन दो रूपों में होती है?
4. उचित विकल्प पर सही का निशान लगाइए –

(क) देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली भाषाएँ हैं –

i. हिंदी
ii. संस्कृत
iii. मराठी
iv. तीनों

(ख) पंजाबी की लिपि है –

i. गुरुमुखी
ii. रोमन
iii. देवनागरी
iv. तीनों

(ग) भारतीय संविधान में कुल कितनी भाषाओं को सम्मिलित किया गया है?

i. 21
ii. 22
iii. 18
iv. 26

(घ) भाषा को लिखने का ढंग क्या कहलाता है?

i. लिपि
ii. वर्ण
iii. लिखित भाषा
iv. मौखिक भाषा

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

(ङ) फारसी लिपि लिखी जाती है –

i. दायीं से बायीं ओर

ii. बायीं से दायीं ओर

iii. बायीं ओर

iv. दायीं ओर

(च) मौखिक भाषा की आधारभूत इकाई है –

i. ध्वनि

ii. वर्ण

iii. लिपि

iv. धातु

5. दिए गए भारत के मानचित्र में 'हिंदी भाषा' के क्षेत्र को हरे रंग से दर्शाइए।

Map not to scale

6. शीशे के सामने खड़े होकर बोलने का अभ्यास करने से क्या लाभ होता है?
7. भाषा की आवश्यकता क्यों पड़ती है? विस्तार से उत्तर दीजिए।
8. भाषा की विशेषताएँ विस्तार से बताइए।
9. हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालिए।
10. 'जो काम तलवार नहीं कर सकती वह काम लेखनी कर सकती है।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए भाषा के लिखित रूप के महत्व पर प्रकाश डालिए।
11. बेन जॉनसन ने कहा है कि, ''बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है।'' उनके इस कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।
12. 'भाषा बिना दाम के लोगों को खरीद लेती है।' इस कथन से क्या अभिप्राय है?
13. भाषा अर्जन के लिए समाज अथवा निर्जन स्थान में से किसका होना अनिवार्य है और क्यों?
14. भाषा जन्मजात वस्तु है अथवा अर्जित वस्तु? अपने चयन का कारण बताइए।
15. नीचे भाषिक संचार के अलग-अलग माध्यम दिए गए हैं। प्रत्येक माध्यम की एक-एक विशेषता लिखिए और बताइए ये भाषा के किस प्रकार से संबंधित है – मौखिक प्रकार से, लिखित प्रकार से अथवा दोनों से।

संचार माध्यम	भाषिक प्रकार	विशेषता
कंप्यूटर		
मोबाइल		
फोन		
फैक्स मशीन		
पत्र		
टी॰वी॰		

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया

16. नीचे दिया अपठित गद्यांश पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

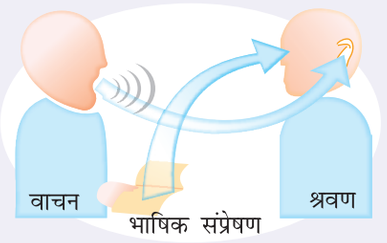

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति का, विचार-विनिमय का व संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। भाषा का आधार ध्वनि है। ध्वनियाँ कई तरह की होती हैं – दरवाज़ा खटखटाने की, लहरों के उठने-गिरने की, पदार्थों के टकराने की आदि। इसके अतिरिक्त पशु-पक्षियों के कंठ से भी ध्वनियाँ निकलती हैं जैसे गाय के रँभाने की, घोड़े के हिनहिनाने की आदि। लेकिन ये ध्वनियाँ हमारे लिए अर्थहीन होती हैं, इसलिए ये केवल ध्वनियाँ हैं, भाषा नहीं। जब हम भाषा की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय उन ध्वनियों से होता है जो मानव-कंठ से निकलती हैं, जिनके उच्चारण में कंठ, जिह्वा, नासिका, होंठ आदि का प्रयोग होता है। इन ध्वनियों का एक निश्चित अर्थ होता है और भाव-विचार की अभिव्यक्ति में सहायता होती है। तरह-तरह की ध्वनियों को एक साथ पिरोकर भाव को स्पष्ट कर देना ही भाषा का काम है। प्रायः मनुष्य भी चोट लगने पर उफ् कह उठता है। अगर मनुष्य उह्, आह, वाह, उफ् के सिवाय कुछ और बोल नहीं पाता तो हम नहीं कह पाते की उसकी कोई भाषा है। संक्षेप में कह सकते हैं कि मानव-मुख से निकली सार्थक ध्वनियाँ ही भाषा का रूप धारण करती हैं।

(क) भाषा का आधार क्या है?

(ख) क्या पशु-पक्षियों की कोई भाषा होती है?

(ग) जब हम भाषा की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय किन ध्वनियों से होता है?

(घ) भाषा क्या काम करती है?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

ज्ञान-विस्तार

हिंदी साहित्य के महान् लेखकों जैसे भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी आदि ने हिंदी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र तो हिंदी साहित्य के पितामह माने जाते हैं। 1850 से 1885 तक का काल भारतेंदु युग के नाम से जाना जाता है। वहीं महावीर प्रसाद द्विवेदी 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक के रूप में लंबे समय तक हिंदी साहित्य पर छाए रहे। 1900 से 1920 तक का काल द्विवेदी युग से जाना जाता है। आपको पता लगाना है कि इन महान् विद्वानों का जन्म-स्थान क्या था। इनकी शिक्षा कहाँ तक हुई थी? इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ कौन-सी हैं? हिंदी भाषा की उन्नति में इनका योगदान क्या था? अंत में बताइए आप हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उसके विकास के लिए कौन-से दो महत्वपूर्ण सुझाव देना चाहेंगे?

भविष्य की ओर

राजभाषा अधिकारी

राजभाषा अधिकारी भारतीय केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी अनुवाद का कार्य करता है। इसके अलावा वह राजभाषा हिंदी के अन्य कामकाज जैसे हिंदी दिवस, हिंदी त्रैमासिक बैठकों का आयोजन, राजभाषा निरीक्षण आदि कार्य भी करता है।

मैं हिंदी भाषा को नई बुलंदियों पर पहुँचाऊँगा।

मेरी लिखी किताब भी जन-जन में लोकप्रिय होगी।

साहित्य लेखक

भाषा पर अपनी मज़बूत पकड़ के बल पर ही लेखक आम आदमी के विचारों, भावों को अभिव्यक्ति देता है।

सूचना-संग्रह

वेबसाइट्स की सूची

http://hi.wikipedia.org/wiki

http://en.wikipedia.org/wiki/Writer

© एजुकेशन क्वालिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया